

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA (Tripura): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI RANEE NARAH (Assam): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SANJAY SINH (Assam): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI MD. NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. CHANDAN MITRA (Madhya Pradesh): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

†چودھری منور سلیم (اثر پردیش): مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبڈ کرتا ہوں۔

श्री परवेज़ हाशमी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री मोहम्मद अली खान (आन्ध्र प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

†جناب محمد علی خان (آندھرا پردیش): مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبڈ کرتا ہوں۔

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

Issue of paid news being published in news papers as advertisements

श्री विजय गोयल (राजस्थान): सर, मैं थोड़ा आहिस्ता-आहिस्ता बोलूंगा, क्योंकि मेरी पीठ में फ्रैक्चर हो गया था।

सर, मैंने बहुत समय पहले प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को चिट्ठी लिखी थी, उसके बाद मैं इसको लगातार उठाने की कोशिश कर रहा हूँ। सर, हमारे देश में मीडिया स्वतंत्र है, इसको 'चौथा

†Transliteration in Urdu script.

स्तंभ' कहा जाता है। कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका के बाद मीडिया का अहम रोल होता है। लोग मीडिया की खबरों पर विश्वास करते हैं, चैनलों और प्रिंट मीडिया में जो खबरें दी जाती हैं, लोग उनके ऊपर विश्वास करते हैं, पर पिछले दिनों से पेड न्यूज की बात चल रही है और पेड न्यूज डायबिटीज़ की तरह मीडिया की विश्वसनीयता को खोखली करती जा रही है।

सर, मैं यह कहना चाहता हूँ कि निर्वाचन आयोग ने सन् 2009 से 2013 के बीच देश के 17 राज्यों में चुनाव के दौरान 1,400 से ज्यादा मामले पेड न्यूज के दर्ज किए। पहले तो ये पेड न्यूज के मामले चुनावों के दौरान आते थे, जिसमें यह नहीं पता चलता था कि ये खबरें हैं या खबरों में समाचार हैं या ये सरकारों के विज्ञापन हैं, पर अब मुझे यह देख कर बड़ा ताज्जुब हो रहा है कि पिछले कुछ दिनों से सारे नामी-गिरामी अखबारों में जिस तरह से न्यूज के पन्ने आते हैं, कोई इसको editorial कहता है, कोई इसको consumer connect कहता है, कोई कुछ कहता है, उससे पाठक को यही नहीं पता चलता है कि अखबार में ये जो समाचार आ रहे हैं, ये समाचार हैं या सरकार के विज्ञापन हैं? पिछले दिनों मैंने देखा, एक अखबार में यह आया कि ऑड-ईवन के कारण प्रदूषण कम नहीं हुआ, ट्रैफिक कम नहीं हुआ और अगले दिन मैंने देखा कि उसी अखबार में बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था, "ऑड-ईवन सक्सेसफुल हो गया, पास हो गया।" मुझे यह पढ़ कर अजीब लगा कि इसी अखबार ने एक दिन पहले लिखा था कि इससे प्रदूषण नहीं घटा, ट्रैफिक कम नहीं हुआ और आज यह ऐसा लिख रहा है।

सर, अब आप यह विज्ञापन देखिए, इसको देख कर कौन पाठक यह कह सकता है, इसके कोने पर छोटे अक्षरों में editorial या consumer connect लिखा होगा, तो क्या हुआ? महोदय, मैं यह बात मीडिया की निन्दा करने के लिए नहीं कर रहा हूँ, बल्कि मैं यह बात इसलिए कर रहा हूँ, क्योंकि सेल्स डिपार्टमेंट और रिपोर्टर्स के बीच की जो दीवार थी, आज उसको हटा दिया गया है। इसलिए जाहिर तौर पर इसके ऊपर सब लोगों को चिन्ता होनी चाहिए। नामी-गिरामी अखबारों ने तो फेवरेट कवरेज के लिए कई सेलिब्रिटीज़ और बिजनेसमैन के साथ प्राइवेट ट्रीटीज़ की हैं, ऐसा उसमें हम पढ़ते हैं। मैंने प्रेस काउंसिल को लिखा था, मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि प्रेस काउंसिल ने मेरे लेटर का जवाब तक नहीं दिया। इसलिए मैं यह चाहता हूँ कि खुद मीडिया वालों को Media Accountability Committee बनानी चाहिए, ताकि इस तरह के जो भ्रामक विज्ञापन आ रहे हैं, जिससे पाठक गुमराह हो रहा है, जो खबरों की तरह छापे जा रहे हैं, जिसको देखकर यह लगता है कि यह विज्ञापन नहीं मानो कोई खबर है, उस पर रोक लगाई जा सके, यह मैं कहना चाहता हूँ।

SHRI VIVEK GUPTA (West Bengal): Sir, I associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI MD. NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI V.P. SINGH BADNORE (Rajasthan): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

KUMARI SELJA (Haryana): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

डा. सी.पी. ठाकुर (बिहार): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राम नारायण झुडी (राजस्थान): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

डा. भूषण लाल जांगडे (छत्तीसगढ़): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

डा. विजयलक्ष्मी साधो (मध्य प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करती हूँ।

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

डा. संजय सिंह (असम): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

† جناب جاوید علی خان (اثر پردیش): سر، میں بھی اس موضوع کے ساتھ خود کو
سمبڈ کرتا ہوں۔

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री उपसभापति: यह सीरियस है।...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव (बिहार): सर, इस विषय पर इस सदन में एक Short Duration Discussion होना चाहिए। यहाँ मंत्री जी बैठे हैं। पूरे देश में ये मालिक पत्रकार बन गए हैं। यह इस तरह से पैसा कमाने का धंधा बना हुआ है। विजय गोयल जी ने जैसा कहा, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि इस मामले में बड़ी बहस होनी चाहिए।...(व्यवधान)... यह बहुत जरूरी है।...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, I fully agree with you. ...(Interruptions)... It is a serious matter. ...(Interruptions)...

श्री विजय गोयल: सर, ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have made your point. ...(Interruptions)... Your time is over. ...(Interruptions)...

†Transliteration in Urdu script.

श्री आनन्द शर्मा (हिमाचल प्रदेश): उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, वह गम्भीर है। यह सही है कि देश के प्रजातंत्र के अंदर लोगों को समाचार और जानकारी देने में मीडिया की एक अहम भूमिका है, पर अगर वह पैसे के आधार पर होगी तो उससे लोग गुमराह होंगे तथा प्रभावित होंगे। ...**(व्यवधान)**... यह अपने आप में एक अनहेल्दी प्रैक्टिस है। हमारे सदन के नेता, जो कि वित्त मंत्री के साथ-साथ सूचना और प्रसारण मंत्री भी हैं, मैं इनसे आग्रह करूंगा कि सरकार की तरफ से आप इसका नोटिस लें, इस पर कार्रवाई करें। यह बहुत गलत प्रैक्टिस है। ...**(व्यवधान)**... यह हमारे समाज का अहित करेगी। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. All right. ...*(Interruptions)*... Nareshji is speaking. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: He is the Leader of the House. ...*(Interruptions)*... I am urging him to respond in this House. ...*(Interruptions)*... I am requesting the Leader of the House. ...*(Interruptions)*... He is the I&B Minister also. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Anand Sharma, you sit down. ...*(Interruptions)*... Why do you monopolise? ...*(Interruptions)*... He is speaking. ...*(Interruptions)*... He is also having the right. Why do you do that?

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, यह केवल प्रिंट मीडिया का सवाल नहीं है, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी सर्वे निकालकर जिसको चाहे जिता दे और जिसको चाहे हरा दे, लोगों का मीडिया पर इतना विश्वास है। उसके बाद अगर मीडिया इस तरह paid होकर yellow journalism कर रहा है, तो मैं नेता सदन से कहूंगा कि इस पर कोई न कोई ...**(व्यवधान)**... कहीं न कहीं तो इसको रोकना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री के.सी. त्यागी (बिहार): सर, मैंने मीडिया का सबसे ज्यादा दुरुपयोग चुनाव के अंदर देखा। मैं एनडीए का कैंडिडेट होकर चुनाव लड़ने में ठग गया। एक हफ्ते तक यह न्यूज चलती रही कि फलां-फलां बिरादरी ने समर्थन कर दिया, फलां-फलां बिरादरी ने ...**(व्यवधान)**... सर, मैंने अपने अध्यक्ष शरद यादव जी के साथ प्रेस काउंसिल में भी नोटिस दिया, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have associated yourself. ...*(Interruptions)*... Shri Naresh Gujral ...*(Interruptions)*...

SHRI NARESH GUJRAL (Punjab): Sir, elections have now become more expensive only because of paid news media. It is unaffordable. They blackmail you at the time of elections. At one time, black money was being used. Now even white is accepted by them as my friend pointed out. State Finances are being used for paid media and criminal action must be taken against these people. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. I know the whole House is almost supporting it. ...*(Interruptions)*... It is a serious matter. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: The Government must respond. ...*(Interruptions)*... We are only requesting that the Minister must respond. ...*(Interruptions)*... He is an I&B Minister also. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is a serious matter. ...*(Interruptions)*... Would you like to respond? ...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF MINORITY AFFAIRS; AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI): Yes, this is a serious matter ...*(Interruptions)*... सर, इस पर Half-an-Hour Discussion करा लीजिए, क्योंकि इस पर सारे मेम्बर्स अपनी बात रखना चाहते हैं और यह बहुत गम्भीर इश्यू है। ...*(व्यवधान)*...

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, this paid news is actually a blot on democracy. We are not allowing people to choose freely what they want to do. It has become a big racket and a business.

श्री शरद यादव: सर, यह धंधा हो गया है। ...*(व्यवधान)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Unless you have some regulation about this, our democracy cannot work. ...*(Interruptions)*... We would like the Government to tell us what you are planning to do. ...*(Interruptions)*... Sir, let me complete. What are you planning to do about this? We find that in elections everything is being distorted as a result of it. ...*(Interruptions)*... Will you please direct the Government to respond? ...*(Interruptions)*...

श्री मो. नदीमुल हक (पश्चिमी बंगाल): सर, बंगाल में भी इसी तरह से एक अखबार ने न्यूज दिखायी है। ...*(व्यवधान)*... हम लोगों ने उस पर Short Duration Discussion का नोटिस भी दिया है, आप उसको accept कीजिए। ...*(व्यवधान)*...

جناب محمد ندیم الحق : سر، بنگال میں بھی اسی طرح سے ایک اخبار نے نیوز دکھائی ہے۔۔۔ (مداخلت)۔۔۔ ہم لوگوں نے اس پر Short Duration Discussion کا نوٹس بھی دیا ہے، آپ اس کو accept کیجئے۔۔۔ (مداخلت)۔۔۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He will react, but I have to proceed with the Zero Hour. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, you please direct them. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Names of all the Members who associate are added. ...*(Interruptions)*... Hon. Minister would like to react. ...*(Interruptions)*... Please.

† Transliteration in Urdu script.

THE MINISTER OF FINANCE, THE MINISTER OF CORPORATE AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI ARUN JAITLEY): Mr. Deputy Chairman, Sir, Mr. Vijay Goel has raised a very important issue, and, I think, on the basis of their personal knowledge and experiences, obviously, Members across Parties are reacting.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, all the Parties.

SHRI ARUN JAITLEY: I have not the least doubt that all of us in this House are absolutely committed to free speech but, at the same time, when we see some aberrations coming, we are all concerned about how those aberrations are to be really dealt with, and, Paid News is certainly one of those aberrations. Some people have commented -- a view, which I disagree with -- that commercial speech is also free speech. In fact, there are some observations by the Supreme Court saying that, which, I think, does not augur well for the problem that we are trying to address, and, there are various ways, it is expressing itself. Many of us have been victims of paid news. At the same time, we are seeing this aberration evident in different manners. Advertising is the right of everyone but when Government starts excessively advertising, what is the dividing line between excessive advertising and bribery? This can also happen, and, therefore, it is an important subject, to which we must find a solution. My suggestion would be that rather than reacting in an ad-hoc manner, you fix up any time for this in this Session or next Session ...*(Interruptions)*...

SHRI MD. NADIMUL HAQUE: Mr. Deputy Chairman, Sir... ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I think, a Calling Attention Motion... ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: Let me just complete. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. Let him complete. ...*(Interruptions)*... That is over. ...*(Interruptions)*... Nothing more. ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: On the one hand, there would be a danger of control or Governmental interference, which is something, which we want to avoid, and, on the other hand, we want to get rid of this aberration. How do we do it? I think, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us have a discussion. ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: Let us have a discussion before we decide anything, and, therefore. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, on proper notice, we will have discussion. ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: Let this subject be put up for discussion by any Resolution, and, we will find a solution. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Ali Anwar Ansari. ...*(Interruptions)*... No, no. It is over. ...*(Interruptions)*... It is over. No, I have to take this. Shri Ali Anwar Ansari. Nothing more. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, please take this as notice. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You already had your say. ...*(Interruptions)*... Now, Mr. Ali Anwar Ansari. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: You have not heard my point.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, you have made your point. ...*(Interruptions)*... No, I have to proceed with Zero Hour. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, please take this as notice. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, give notice. ...*(Interruptions)*... Give notice for either Calling Attention Motion or Short Duration Discussion. Give notice. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Ali Anwar Ansari. ...*(Interruptions)*...

Indian workers stranded in Mecca in Saudi Arabia

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): उपसभापति महोदय, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बंगाल, राजस्थान, तेलंगाना तथा आन्ध्र प्रदेश के करीब डेढ़ सौ मजदूर, जिनमें कुछ technicians भी हैं, engineers भी हैं, सउदी अरब की मक्का स्थित बिन लादेन नामक कम्पनी में फंस गए हैं। उन्हें 6 माह से वेतन नहीं मिल रहा है और उनकी स्थिति भिखमंगों जैसी हो गयी है।

महोदय, उन लोगों ने Jeddah के Consulate General को चिट्ठी लिखकर अपनी स्थिति से वाकिफ़ कराया है और उसकी एक कॉपी उन्होंने हमें भी भेजी है। महोदय, ये जो मजदूर हैं, वे वहां से final exit चाहते हैं, यहां आना चाहते हैं, लेकिन कम्पनी उनके बकाए का भुगतान नहीं कर रही है और कह रही है कि अपना टिकट कटाकर जाइए। उन्हें रहने के लिए जो घर दिया गया था, उस घर को भी वे खाली करा रहे हैं और वहां से आने के लिए भी कह रहे हैं कि 200 रियाल जमा करो, तब तुम्हें जाने देंगे। उनका जो इक़ामा होता है, वह उन्हें नहीं दिया है, जिसके चलते पुलिस उन्हें पकड़ लेती है, उन पर फाइन करती है। महोदय, ये लोग हरम शरीफ के सामने, जो कुछ उन्हें खाने के लिए मिलता है, जो कुछ वहां बंटता है, उस पर अपना जीवन बसर कर रहे हैं। हमारा यह कहना है कि हमारा विदेश विभाग इन लोगों को वापस लाने का इंतज़ाम करे। उन लोगों को 6 महीने से वेतन न मिल पाने की वजह से, यहां पर उनके जो परिवार हैं, वे भुखमरी के कगार पर हैं। उपसभापति महोदय, डेढ़ सौ लोगों ने तो हमको लिखा है, लेकिन यह पता चला है कि ऐसे और भी लोग हैं। दिल्ली की चार प्लेसमेंट कम्पनियों ने और एक मुम्बई की कम्पनी ने उनको वहां भेजा हुआ है। इस तरह का संकट बार-बार वहां पैदा हो जाता है। हमारी सरकार उनके लिए कोई इंतज़ाम करे। उनके बच्चे यहां पर बिलख रहे हैं और